

Shree Krishna Infrastructure

Pioneer in Real Estate
Since 25 Years

GANGA HUMSAFAR FARMS

Graced by Nature, Blessed by Ganga

At Gajraula - Dhanora State Highway, Tigri Dham Gajraula (U.P.)

We bring together two decades of proven expertise with a future-focused perspective on real estate development.

Who We Are

We position ourselves as a progressive organization driven by a clear and ambitious roadmap for the future. Our success is not defined by volume alone, but by the excellence of our offerings. Rather than following the traditional "build and sell" model, we adopt a more refined and purpose-driven approach.



Sai Sharnam, Shirdi Maharastra



Laboni Apartments,
CrossingRepublic,Gzb.



Royal Garden
Shalimar city, UP



Officer city 2, Raj Nagar Ext. Gzb



Officer city 2, Raj Nagar Ext. Gzb



GNB Mall, Raj Nagar, Ext. Gzb



Palm Resort, Raj Nagar Ext. Gzb



Delhi 99, Wazirpur Road, Gzb



Techno City, Greater Noida. U.P

Project Overview

Taking our legacy forward, we introduce Humsafar Farms — a thoughtfully curated farmhouse development nestled between the divine banks of the Ganga at Tigri Dham and Brijghat. Designed with care, it brings together planned amenities and serene surroundings to offer a refined yet accessible farmhouse living experience.

Experience a refined lifestyle at your countryside retreat, where comfort and tranquility exist amidst natural surroundings. Strategically located near the thriving industrial and residential hub of Gajraula, Amroha district.



Why Humsafar Farms ?

- Grand entrance & wide internal roads
- Spacious Vastu-aligned rectangular plots
- Premium clubhouse & lifestyle amenities
- 24/7 multi-layer advanced security



- Divine location between Brijghat and Tigri Dham
- Peaceful farmhouse living near developed Gajraula
- Trusted 20 years real estate expertise
- High-growth zone with future appreciation potential

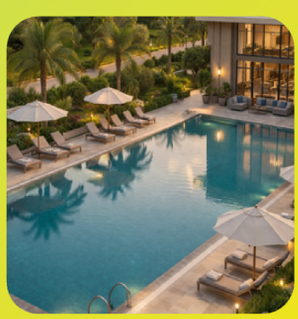


- Landscaped walkways with green frontage
- Elegant gates with defined boundaries
- Lush greenery with dedicated maintenance









* Terms & Conditions Apply

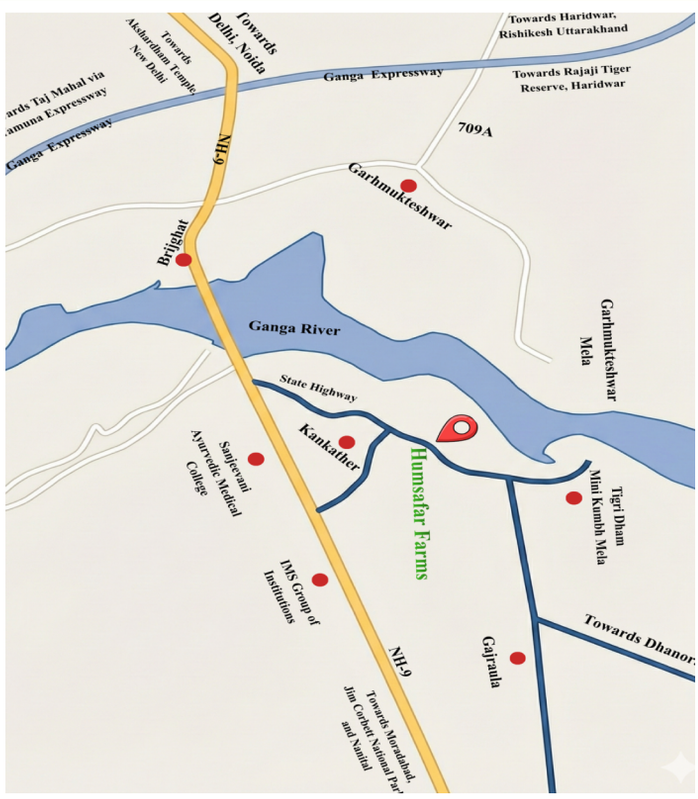
* Images are for illustrations purposes only

Spritually Centered.
Physically Connected.

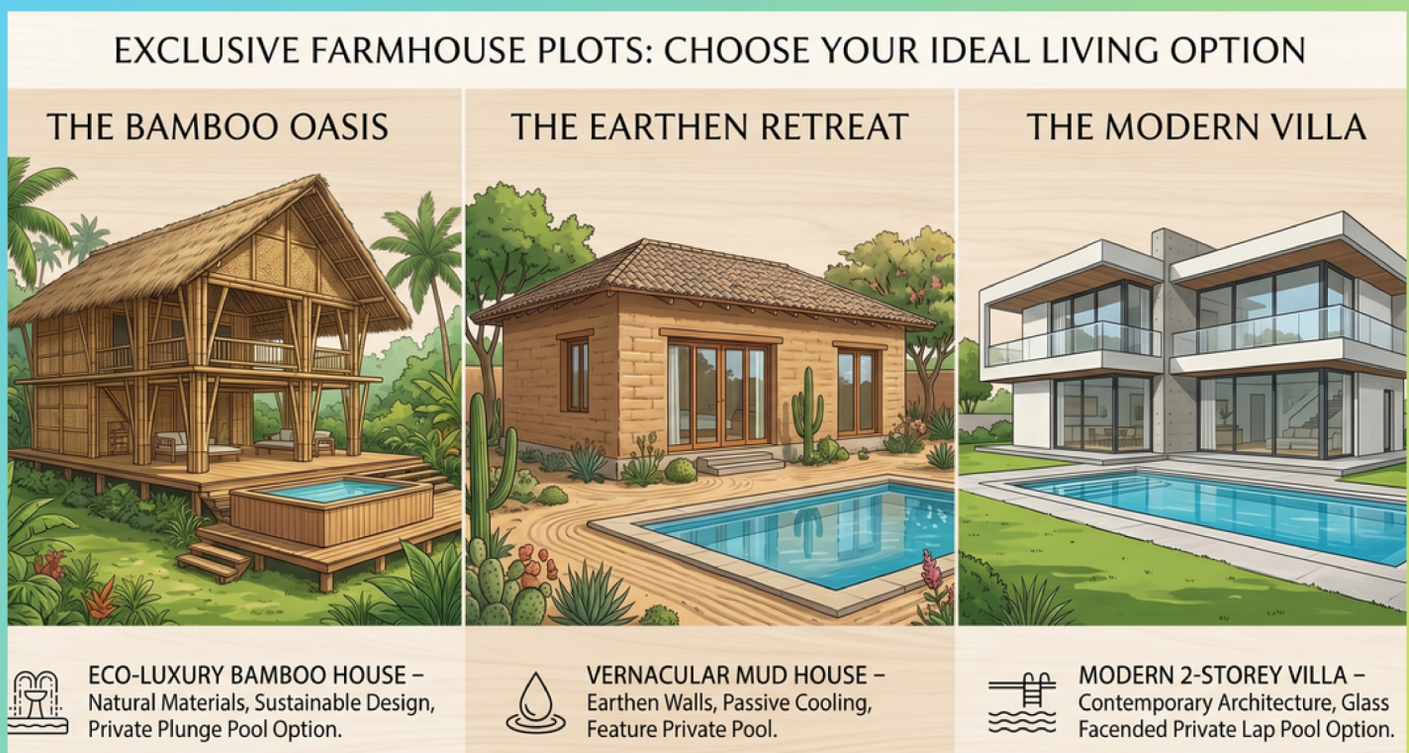


Connectivity- Nearby Landmarks

Tigri Dham	1 Km / 2 Min
Brij Ghat	7 Km / 8 Min
Ganga Expressway	9 Km / 10 Min
Gajraula	8 Km / 8 Min
Dhonara Mandi Tehsil	16 Km / 25 Min
Moradabad	60 Km / 1 Hr
Jim Corbett National Park	3 Hr
Yamuna Expressway	2 Hr 30 Min
Akshardham Temple	1 Hr 30 Min
Hindon Domestic Airport	1 Hr 30 Min
Noida International Airpot, Jewar	2 Hr
Nainital	4 Hr
Kainchi Dham	5 Hr
Meerut	1 Hr



Farmhouse Plan



- **Total 27 Exclusive and Premium Farmhouse Agriculture Plot Land.**
- **Total 217746 sq.ft / Area with an optional concrete Villa / Bamboo House/ Mud House and with Private Swimming Pool.**

Highly Growth Potential

1. **Zero Depreciation:** Land is the least volatile real estate category
2. **Expressway Catalyst:** Delhi-Nanital NH-9 expressway and running Ganga expressway will halve the commute time from Delhi-NCR, instantly transforming the asset into a commutable weekend home
3. **High CAGR:** In the past, the spiritual-wellness belt showed aggreesive projections that forecast a high potential
4. **Short Term Income:** The density of multiple world class amenities ensures the asset generates high short-term rental yields.
5. **Industrial Hub Synergy:** The expansion of the expressway network attracts logistical parks and manufacturing units, increasing the land's resale liquidity.
6. **Future-Proof Connectivity:** A tri-junction connecting Delhi-NCR, the spiritual heartlands, and the Kumaon hills (Uttarakhand).

From Govt. and Administration
Futuristic Area Development

गजरौला-गढ़ के बीच बसेंगी दो स्मार्ट सिटी

हिन्दुस्तान एक्सक्लूसिव

हापुड़ | मुलित रवाणी

नहर के बीच में बसेंगी दो शहर

सिंहाई विभाग और प्राधिकरन की परियोजना में गजरौला तिगरी से शुरू होने बाली नहर को जब गढ़ लाकर गंगा तक पहुंहाया जारमा तो उसके बीच में खाली भूमि आ जाएगी, जिससे दो सिटी बसाई जाएंगी। इसने प्राबिकरण पुरी सुचिचार दितागमा। बताया गया है कि नहर और गजरीला, इजपाट और गढ़ के बीच वयी चार हजार हैक्टेयर और 27 हैक्टेयर में दो सिटी बसाई जाएंगी।

मलेशिया से आएगी टीम

गड़-बजघाट में घार हजार करोड़ पर काम शुरू होने से पहले मलेशिया से एक दीग जाएंगी। मलेशिया से टीम आकर योजना को असली जागा पहमाने के दिश दिशा निर्टस जारी करेंगी।

- हरिद्वार से बेहतर धर्म नगरी बनाए जाने की कवायद शुरू
- चार हजार और 27 हजार हैक्टेयर में बसेंगी दो सिटी
- गंगा पर बनाए जाएंगे दो पुल, दो सौ मीटर अंतराल पर बनेंगे परिक्रमा मार्ग

नरामि की यौजना के वहन गढ़-ब्रजघाट को हरिद्वार से बेहतर सिटी बनाने की योजना पर लाम शुरू हो गहा है। गढ़-ब्रजचाट के अलाचा गजरीला के तिगरी और बागुड़ को सीगा के मच्य नहर के बीच में दो सिटी बसाए जाने को परियोजना पर प्लान बन रहा है। चार हजार करोड़ को लागत से बनाए जा रहे जान में महायोजना 2021 के अन्गर्गत सिंचाई विभाग में एचपीड़ीए को मोनाकित किया है। जरूर ही बोजना पर कार्ग शुरू हो जाएगा।

शुक्रबार को एचपीडीए के मीटिंग हॉल में सिंचाई विभाग और प्राधिकरान के अभिवंताओं को मीटिंग हुई, जिसमें हरिद्वार से बेहतर बनाए जाने के लिए पूपी के मिनी हरिद्वार को बेहतर स्वरूप दिलाए जाने पर प्लान तैयार किया गया। योजना को तीन जोन में विभानित किया गया। इसमें अमरोता के गजरीला अनगर्गत तिमरी मे गढ़-बजचाट के बीच भूमि चिद्वित करने पर भी मंत्रणा हुई। सिंचाई विभाग द्वारा तेयार किए गए चार हजार करोड़ के प्लान में तिमरी और गढ़-बजचाट के बीच दो स्मार्ट सिटी ससाई जाएंगी। क्योंकि गढ़ और ब्रजचाट को बढ़ाए जाने के लिए स्थान नहीं है, जिस कारण नए शहर बसाकर विकास कराने की योजना नेयार की नई है।

तिमरी से दिकली नहर को गढ़ से सुमाकर गढ़ुच्चया जाएगा गंगा दक : जानकारी के अनुधार तिमरी गंगा से एक नहर निकाली जाएगी, जो गढ़ गंगा मीटर से ठोकर फिर गंगा में गढ़ुचाई जाएगी। योजना में हरिद्वार की तरह नहर के दोनों तरफ पक्के घाटों का निर्माण होगा, जिसपर दोगों तरक सड़क और प्रत्येक दो सौ मीटर पर फुटपाचा चनाए जाएंगे। इसके बीच हो दो पुलों का निर्माण होगा, जिसपर आवागमन होगा।

हरिद्वार से बेहतर बन आएगी धर्मनगरी : प्राधिकरण के उपाध्यथ आरके सिंढ़ का मानना है कि गढ़-ब्रजचाट में 25 करोड़ को लागत से निकास कराया जा रहा है, जिसमें बजचाट के स्नानघाट समेत अन्द कई काम करए जारते है। सिंचाई विभाग द्वारा तैयार किए गए चार हजार करोड़ के प्लान में तिमरी से नहर निकालकर उसके बीच में दो सिटी ससाई जाएंगी। हरिद्वार से बेहतर स्वरूप दिया जाएगा। गंगा पर से पुलों का निर्माण और तो सौ मीटर पर फुटपाच का प्लान है। सिंचाई विभाग के अभिवंताओं के साथ अभियंता थी प्लान पर

मास्टर प्लान मंजूर, गजरौला में बहेगी विकास की बयार

आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग से मिली मंजूरी, निवेश को मिलेगा बढ़ावा, 22 गांव मास्टर प्लान के दायरे में आए

संवाद न्यूज एजेंसी

यह गांव आए मास्टर प्लान के दायरे में

मास्टर प्लान लागू हो जाने के कारण धनीना तहसील क्षेत्र के 13 गांव कारे में आ गए हैं। जिनमें फाजिलपुर गौसाई, कृपानार्थपुर, अहोरोला तेजबन, चाकोखेड़ा, तागपुर, मड़ौला, फोदापुर, दरियापुर बुजुर्ग, मूसापुर, यकबगढ़ी, बरटीती माफी, मीरपुर, सलारपुर सामिल हैं। हसनपुर तहसील क्षेत्र के चौभाग, सुल्तानपुर मौलबी, खानपुर, ठोया, पाठऊपुर चुर्जुर्ग, फिरोजपुर गढ़ाबली, सादुल्लापुर, दिगरिया जादर और शहबाजपुर डोर चहित मी गांव मास्टर प्लान के दायरे में आए है। वीसी पन कहना है कि गजरोला में नई औधोगिक इकाइनों को स्थानना की जाएगी। इससे प्राधिकरण को पांच को करोड़ रुपये का निवेश आएगा।

यह हैं गजरौला महायोजना की विशेषताएं

- गजरौला में अब लैंड यूज के अनुसार नक्शे हो सकेंगे पास।
- लगभग 500 करोड़ का तात्कालिक निवेश निजी क्षेत्र से संभावित।
- आगामी 10 वर्षों में 1000 करोड़ के निजी निवेश की संभावना।
- प्राधिकरण को विकास शुल्क व शमन से मिलेंगे लगभग 1000 करोड़ रुपये। जिसका शत प्रतिशत हिस्सा अवस्थापना विकास में होगा खर्च।
- लैंड पूलिंग के माध्यम से प्राधिकरण गजरौला में शीघ्र व्यवसायिक व औधोगिक योजनाएं करेगा लांच।
- करीब 1672 करोड़ की विकास परियोजनाएं चिह्नित जो अगले 10 वर्षों में उतरेंगी जमीन पर।
- 50 किमी लंबे महायोजना मार्ग, जलनिकासी व्यवस्था, STP, मनोरंजन पार्क सहित कौशल प्रबंधन के लिए संस्थान होंगे विकसित।
- महायोजना का क्रियान्वयन लगभग 15,000 नए रोजगार करेगा सृजित।
- अवैध निर्माण पर लगेगी लगाम, प्राधिकरण प्रवर्तन की सधनता बढ़ाएगा। हरित क्षेत्रों का विकास।
- 2031 तक 18,000 नए आवास उपलब्ध कराए जाने का होगा प्रयास। निजी डेवलपर व प्राधिकरण के संयुक्त प्रयासों से लक्ष्य किया जाएगा प्राप्त।
- नए शैक्षणिक व चिकित्सीय संस्थान खुलने का मार्ग भी प्रशस्त होगा।
- 45 मीटर व 60 मीटर चौड़ी रिंग रोडों का प्रावधान भी।

गजरौला। गजरौला का मास्टर प्लान लागू हो गया। आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग में मंजूरी दे दी। दिगरी से लेकर बजघाट गंगा पुल के आस पास बक प्राधिकरण का बिस्तार किया जाएगा। इलाके के 22 राजस्व ग्राम मास्टर प्लान के खयरे में आ गए हैं। गजरोला क्षेत्र में विकास कार्य होंगे। क्षेत्र में विवेश को बढ़ामा मिलेगा। कता जाए तो औधोगिक नगरी में दिकास के पए अचसर खुलेंगे।

बीती 24 फरवरी को मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के चीसी शेशेष कुमार मे चींदियो ककिसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने मास्टर प्लान-2031 को प्रस्तुत किया था। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताना था कि 1995 में निनियमित क्षेत्र पोषित करते के से साल बाद वर्ष-1997 में गजरोला को मुरादाबाद विकास प्राधिकरण में प्रामिल किया गया। मास्टर प्लान वर्ष-2031 को थान में रखकर वैपार किया गया। जिससें गजरोला क्षेत्र के आस पास के 22 राजस्व गांम आ रहे हैं। इससे प्राधिकरण का विलार तिगरी म ब्रजघाट गंगा पुल तक किमा जाएगा। मास्टर प्लान लागू हो जाने से 5113 हेक्टेयर भूगि विकास कानों में उपयोग को जाएगी। जिन पर स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, पार्क आदि बनाए जाएंगे। विकास कार्यो को गति मिलेगी। क्षेत्र में दिवेश को बढ़ामा मिलेगा। प्राधिकरण के चौसी शेशेष कुमार मास्टर प्लान लागू दिरर जाने के लिए आवाल एवं शहरी नियोजन विभाग में लपावार पैरवी कर रहे थे। बुभबार को रात आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग-3 के अपर सुख्य सजिच रमेश गोकर्ण में मास्टर प्लान-2031 को मंजूरी है दी। चीसी में पुरिट करते हुए बला कि बुभबार की रात मास्टर प्लान-2031 को मंजूरी बिल गई है।

गजरोला महायोजना में शामिल होंगे 22 गांव

तिगरी में धार्मिक पर्यटन को बढ़ाया देने के लिए बनाई जाएंगी धर्मगालाएं



गड-ब्रजघाट

4000, 27 हजार हेक्टेयर
वर्मा: महा योजना 2031
कास: चार हजार करोड
2 पुल, फुटपाथ

मंगा किनारे बसेगी कॉलोगो

गुजारवाद किसास थार्गयनम गिगों में लेकर अमरोहा मिरो को लोगा में डसफट पंगा ताह विकास करेगा। जिगरी नेपा किनने कॉनेगी बनाई जाहरों मों बहुल एप कॉलेज भी खोले जारती। अस्पताल मो बनेगे। अधिकिक इकवयों को स्थापण होगो। हेटटर, धर्यटाला आर्ट बनान जारने। रोड बम जाने पर गंगा विनरी पलन के बांल आहगे। जिलारे पर्यटन को भकुषा मिलेगा।

प्रस्तु किया। मुधयमंत्रों को कतना के 1995 में विभिषमित क्षेत्र पोषित करने के से साल बाद वर्ष-1997 में गगरोला को मुयाबाट निकास अपिफराम में शापिल किया गया। मास्टर पनान गर्ब-2031 को धयन में रखबर सेधार किया गया। जिससे गजरोला क्षेत्र के आस गाब के 22 एजबम गांव बह रहे हैं। इससे प्रापिफरण का निस्सर तिमरी और हाईये के अबस पास गंगा गिनसे कह किया जापगा। मास्टर पनान लागू ही जाने में 5113 टेक्टेयर भूनि भिमाम नामों में अस्गेन की जातगी। जिन पर बदुना, मतोनिय, अमपताल, चनी आदि बनाद पलागे। बीजी में बताया कि भास्टर प्लान जल्द लापू हो सकता है।

पूर्व सांसद नें पुल के लिए लिखा पत्र

राजनीहा। नमा और बेब से लोगें के साप वी औशेविक इकाइरों में जाम समुने कसे बविशों पर अस्थमम सुपन करने के लिए नर्यपुत सानने ग्रहेने पर राम सेतु बनाख जमगा। उजमियें को वापा से पूर्व खसद चोपसी उगर सिंह संम में घिनेन पकवों को पन किया है। उपरे उरेगिंगि पंवान दिखने के लिए लगन वगा है।

समरीव में मांपुरा में माइपोपुर के चमने मोटो-चही करोध का ओसेपिक रयतं है। पर्यो पर सास्न स्केल इंनुप्रीस मेंसवेगर एखेगिएसन स गनरीवा इंवस्ट्रोल केरमेगर एमेंकिरसन है। औशेमिक इरवामें में करीब 20 हजार बंगिक धरन करते है। किनने कान करने आने बने के लिए बनिकों को बचेने नर पनना बड़ता है।



- वागमावगुस्कि हॉल कोंमेंयाारनके इन में सर्ह-जबती इते दाश ख्याने कर
- धर्मशालाएं को जानी कारार
- माह संय से थई लुटपाथ।

SMART CITIES INITIATIVE

HPD नमामि गंगे

ब्रजघाट में गंगा के ऊपर बनेगा तीसरा पुल

SPECIAL REPORT : BRAJGHAT THIRD BRIDGE INFRASTRUCTURE INITIATIVE

जाम से मिलेगी मुक्ति, गढ़ टोल से लेकर कांकाठेर तक बाईपास बनाने की कवायद



ब्रजघाट गंगा के ऊपर परे से पुल, इन्दी के बराबर में बनेगा तीसरा • जकरण

गढ़रोला : ब्रजघाट आने वाले लोगों को जाम से मुनित दिलवाने के मकसद से नेशनल हाईये प्राविकरण बाइपास भार्ग बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए ब्रजघाट गंगा पर तीसरा पुल भी बनेगा। उम्मीद है कि जल्द है। सर्व शुरू होगा और फिर प्रोजेरट को फाइल तैमार कर आगे बहाई जाएगी।

देश की राजमानी दिल्ली से प्रदेश की राजभानी लखवऊ को जाने जाने अति बवस्त राष्ट्रीय मजमार्ग पर गंगा नदी के ऊपर 1962 में पुल बनाया गया था। इसबर उद्घटन प्रथम अमानमंगी पंडित जवाहर लाल नेहरू में किया था। करीब 50 साल बाद 2012 में इस पुल में दरार आने के साथ ही बाई जगट लेंद भी हो गए थे। पुल के खेनों सहादों में जनीं रेलिंग के साथ कूप्पाथ पर रखे स्त्रेच टूटकर गंगा में गिरने लगे थे। राज्न सेतु निगम को सिफारिस पर 2013 में भारतीम राष्ट्रीय सजमार्ग प्राधिकरण में इसे बंद उना दिया था। इसके बाद से गंगा के नए पुल से होकर हो वाहनों का आवागमन शुरू किना गया और बंद किए गए पुराने पुल को मरम्मत कगई। फिर 2021 मे पुगने पुल को मरम्मत पूरी होने के बाद उस पर भी ट्रैफिक सुचारू फिमा गया। जनि बर्तमान में गंगा पर बने दोनों पुल जल रहे हैं। डाइवे भी सिखसलेन हो

जनवरी में पूरा से आएगा कांकाठेर का अंडरपास

इस समय पर भी हाईये पर निर्माग कार्य चल रहा है। बजघाट के पास कांकाठेर गांव के जापने अंडरपास का निर्माण हो रहा है। जो, जनवरी माह में पूरा हो जाएगा। आर्य अमिय वरण में चल रता है। इसके अलखा गजरीला शहर में जुबिलेट कंपनी के सामने भी पुल बनाने के लिए कार्य वल रहा है। लेकिन, अभी यहां के खार्य में थोड़ा समय लगेगा।

हापुड़ व अमरोहा में किया जाएगा भूमि का अधियहण

दरअसदर, गगा नदी हापुड़ व अमरोहा जिसे के बीच में बद रही है। जब यहां पर बाइपास मार्ग बनाने के लिए कार्य किया जाएगा तो किसानों की भूमि अधिग्रहण की जाएगी। आने हिस्से की भूमि हापुड़ जिले की गढ़मुक्तेश्वर कस्सील और आगे की अमरोहा जिले जी इसम्पुर कस्सील में अधिग्रहण होगी।

वाइपास के जरिये बाहर से ही निकलेंगे भारी वाहन

इस बाइपास का निर्माण होने के बाद न सिक जाम की समस्या खत्म बजघाट के रूट पर वाहनों का लोड भी खत्म होगा। उदाहि जब जाएगा तो जो, भारी वाहन दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद या फिर अन्य मुरादाबाद, लखनऊ, बरेली के लिए आते-जाते है। तो, सभी बाहर से मार्ग पर ही निकल जाएंगे। बजघाट की तरफ को वही ट्रैफिक जाएगा करने, अंतिम संस्कार करने, ब्रजघाट के रेल्वे स्टेशन आदि को जाएगा।

> गजरौला व गढ़ के बीच में बाइपास मार्ग बनाना प्रोजेक्ट ने जामिल है लेकिन, उसमे अभी बोझा वक्त लगेगा। पहले हाईये पर जो, कार्य चल रहे हैं। तो, पूरे हो जाएं। उसके बाद उस प्रोजेक्ट पर खायं किया जाएगा।
>
> अरविद कुमार, पीडी, नेशलल हाईड प्राबिकरण, मुरादाबाद

> गढमुक्तेश्वर और गजरोला के बीच में बाइपास मार्ग बनाने के लिए नेशनल हाईये प्राधिकरण कार्ययोजना तेयार कर रही है। हालांकि इस कार्य का जिम्मा आइआरबी को नहीं मिला है। खदी जो, यमंगान में हाईये पर काम चल रहा है। जिसमें काकाठेर का अंडरपास जनवरी माह में पूरा होकर चाल हो जाएगा।
>
> – Elm Tiwari, प्रोजेक्ट प्रवेशक, ममनुहर IRB



हरिद्वार की तर्ज पर तिगरी में भी बनेंगे पक्के घाट

हरिद्वार की तर्ज पर तिगरी में भी बनेंगे पक्के घाट

कार्यदायी संस्था ने शासन को भेजा प्रस्ताय, स्वीकृति विभागे पर पर्यटन विभाग जारी करेगा 20 वरोड़ आट

संवाद न्यूल परोगी

गजरोहा हरिद्वार और बजघाट को तर्ज पर तिगरीधाम में भी पक्के घाट बनाए जाएंगे। इसको कवायद शुरू हो नई है। महिला म पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूम भी जनेंगे।

पक्के घाट बनने से कार्तिक पूर्णिया के साथ ही अमावस्या व पूर्णिमा पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं होगी। इसके लिए कार्यदागी सस्था मे उत्तर प्रदेश प्रोजेपट कामरिसन ने हाल ही में प्रशासन को 20 करोड़ रुपये की सशि के प्रस्तात बनाकर भेजे हैं। स्वीकृति मिलने पर पर्यटत विभाग को और से राशि जारी की जाएगी।



अमरोहा के तिगरी धाम में यहीं बनेंगे पक्के घाट। संवाद

घर भी श्रद्धालु गगा में दुबकी लगाते है। मगर, स्नान घाट कच्चे होने के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिसे दूर करने के लिए गंगा किनरे पक्के स्नान घाट बनाए जाने की मांग कई

कार्पोरेशन ने करीब 20 करोड़ रुपने का प्रस्ताव बनाकर सासन को भेजा दिया है। इसके तहत तिगरी में भी हरिद्वार और बजघाट को तर्ज पर 150 मीटर लबे और 21 मीटर चौड़ाई के पक्के स्नान घाट बनात जाएगें।

पक्के घाट बनने पर यह मिलेंगी सहूलियत

- अपता महिला एवं पुरुष बदर्न रूम
- महिला एवं पुरुष बदर्न रूम
- कांणीत घाट सपप
- बड़ी संख्या भवों लिए विशेष जोन
- सामान्य सुविधा सुनिधार

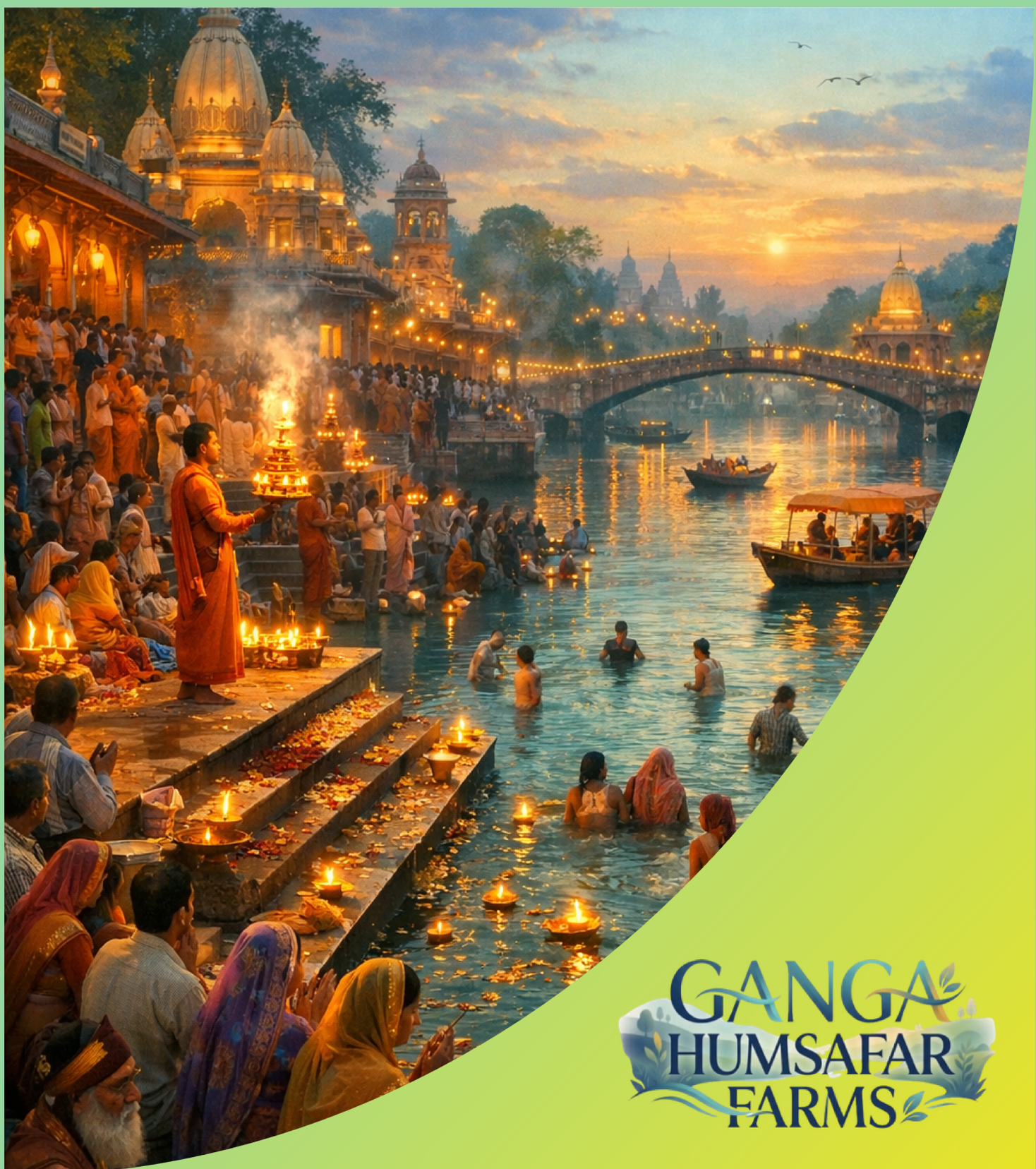
गत-ब्रजघाट
- ₹20 करोड़
- 150 मीटर लंबाई
- 21 मीटर चौड़ाई
- 2 घाट, घाट का विस्तार

पक्के घाट बनने पर यह मिलेंगी सहूलियत

- घाट के आते लोटे को जंबीर और रेलिंग लगाई जगगी।
- पक्का घाट बनने से तिगरी में गंग किनारे का कटान बनेगा।
- इर साल कटान के कारम होने भाले सालों के पास मिलेंगी।

बनने में खर्च होने वाने लाखें से स्वाय को बचत होगे।
- गंगा में बाद आरे के हीज़न तुल खोई आदि को लाने को जगन नहीं होगी।
- पक्का घाट कर सने से जिसे पर

₹20 करोड़ → शासन
कार्यदायी संस्था
तीसरी संस्था
21 मीटर चौड़ाई
2 घाट, घाट का विस्तार



GANGA HUMSAFAR FARMS

1. A HOME WHERE THE HORIZON GLOWS WITH DEVOTION.
2. A LIFESTYLE INSPIRED BY NATURE, ELEVATED BY SPIRITUALITY.
3. WHERE EVERY SUNRISE BEGINS WITH THE BLESSINGS OF MAA GANGA.
4. CRADLED BY THE ETERNAL FLOW OF MAA GANGA, FEEL DIVINELY GUIDED.

Contact No. :